समनुदेशन

एम .ए .संस्कृत, तृतीय सत्र

काव्यशास्त्र (MSKTC-304) **कुल अंक 20**

निर्देश - इस पत्र में तीन समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार प्रश्न हैं। प्रत्येक समनुदेशन (Assignment) से दो प्रश्न लगभग 1500-1000 शब्दों में अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करे।

समनुदेशन(Assignment)1 **अंक07** **(3.5X2)**

प्र. 1 दोष का लक्षण देते हुए किन्हीं दो पद दोषों का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

प्र. 2 मुख्य रस-दोषों का विवेचन करते हुए उनके परिहार पर प्रकाश डालिए।

प्र. 3 अर्थ दोष लक्षण करते हुए किन्हीं दो अर्थदोष की उदाहरण सहित व्याख्या किजिए।

प्र. 4 किन्हीं दो वाक्यगत दोषों का लक्षण लिखकर उदाहरण सहित विवेचन कीजिए-
श्रुतिकटु, अनुचितार्थता, सन्दिग्ध, अविमृष्टाविधेयांश

समनुदेशन(Assignment)2 **अंक07** **(3.5X2)**

प्र. 1 गुण का लक्षण करते हुए गुण तथा अलंकार में भेद प्रदर्शित कीजिए।

प्र. 2 'माधुर्योजः प्रसादाख्यास्त्रयस्ते न पुनर्दश' – प्रतिपादित कीजिए।

प्र. 3 वामनोक्त दस गुणों का विवेचन कीजिए।

प्र. 4 विभिन्न आचार्यों के मतानुसार अलंकार स्वरूप का विवेचन कीजिए।

समनुदेशन (Assignment)3 **अंक 06** **(3X2)**

प्र. 1 श्लेषालंकार के शब्दालंकारत्व एवं अर्थालंकारत्व का विवेचन कीजिए।

प्र. 2 यमक अलंकार के किन्हीं दो भेदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

प्र. 3 निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अलंकारों के लक्षण उदाहरण सहित वर्णित कीजिए-
यमक, अतिशयोक्ति, परिसंख्या, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक।

प्र. 4 निम्नलिखित में से किन्हीं दो अलंकारयुग्मों का लक्षणोदाहरण सहित भेद स्पष्ट कीजिए-
सन्देह तथा भ्रान्तिमान, विभावना तथा विशेषोक्ति, संसृष्टि तथा संकर।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातकोत्तर संस्कृत तृतीय सत्र

सत्र.....

समनुदेशन विषय .....

पाठ्यक्रम कोड .....

समनुदेशन संख्या .....

प्रस्तुतकर्त्ता

नाम .....

पञ्जीकरण संख्या .....

अनुक्रमांक.....

स्थाई पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं. .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....